

## युद्ध आरंभ करना आसान है: पर उस पर नियंत्रण रखना और अपने मन मुताबिक सुनियोजित तरीके से बढ़ाना संभव नहीं है

## सवाल यह उठ रहा है कि ईरान के पास न्यूक्लियर सुविधा होना तो बर्दाश्त नहीं हो रहा, पर, पाकिस्तान बार-बार उसके पास न्यूक्लियर हथियार होने की धमकी दे रहा है, उसका क्या?

—अंजन रॉय—  
—ऑटवा ( कैनडा ) से—  
ऑटवा, 22 जून। ईरान में परमाणु संवर्धन (न्यूक्लियर एनरिचमेंट) स्थलों पर अमेरिका के हमलों ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारी धमाका किया है।

युद्ध शुरू करना आसान है, लेकिन उसे अपनी योजना के अनुसार नियंत्रित और सीमित करना मुश्किल होता है। ईरान पर सीधा हमला कई सैन्य और कूटनीतिक विस्फोटों की श्रृंखला को जन्म देगा।

भारत के लिए तात्कालिक सवाल यह उठता है कि यदि ईरान को परमाणु हथियार रखने की अनुमति नहीं है, तो फिर पाकिस्तान के बारे में क्या, जिसने कई बार भारत के खिलाफ अपने परमाणु हथियारों के उपयोग की धमकियां दी हैं? जबकि, ईरान ने तो बिना परमाणु हथियार के ही इजरायल के लिए अस्तित्व का खतरा पैदा कर दिया है।

- क्या अमेरिका अब पाकिस्तान के न्यूक्लियर बम को ढूँढ निकालेगा और नष्ट करेगा।
- पाकिस्तान पर यह आरोप भी हैं कि उसने चोरी छुपे पश्चिमी देशों से न्यूक्लियर टैक्नॉलजी प्राप्त की है और चुपचाप अन्य देशों को बेची भी है।
- और अब पाकिस्तान अन्य देशों को इकट्ठा करके, अमेरिका के ईरान पर अटैक की भर्त्सना करने के लिए उकसा रहा है। इतना ही नहीं, पाकिस्तान ने अमेरिका के सबसे बड़े शत्रु ओसामा-बिन-लादेन को ‘‘सेफ हाउस’’ में छुपाकर रखा था।
- अमेरिका के ईरान पर अटैक से इस्लामिक देशों में एक करंट सा फैल गया है और अब इस्लामिक देश संगठित व एकत्रित हो रहे हैं और एक तीसरा ग्रुप तैयार है, इस अंतर्राष्ट्रीय संकट में एक नई भूमिका अदा करने के लिए।
- इन इस्लामिक देशों ने रूस व चीन से संपर्क साधा है, अमेरिका के खिलाफ एक संयुक्त मोर्चा खोलने के लिए। ऐसी भी चर्चा है कि ईरान के विदेश मंत्री रूस से बातचीत करने माँस्को गये हैं, अपना अगला कदम उठाने से पहले।
- भारत के समक्ष जो दुविधा है, उसका बीच से रास्ता निकालना और निर्णय लेना कोई आसान कूटनीति नहीं है।

ईरान में परमाणु हथियारों के लिए भी एक प्रकार की दुविधा है। हाल विकास को लेकर उत्पन्न संकट भारत के वर्षों में भारत ने इजरायल के साथ

बहुत घनिष्ठ और महत्वपूर्ण सहयोग (शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## 6 2 आईएएस अधिकारियों के ट्राँसफर

जयपुर, 22 जून। राजस्थान सरकार ने आज 62 आईएएस अधिकारियों के ट्राँसफर आदेश जारी किये। सूचि निम्न अनुसार है: 

- सुबोध अग्रवाल अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, राजस्थान वित्त निगम
- अखिल अरोड़ा अतिरिक्त मुख्य सचिव, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू जल विभाग
- अपर्णा अरोड़ा अतिरिक्त मुख्य सचिव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग एवं पंचायती राज (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता) विभाग
- संदीप वर्मा अतिरिक्त मुख्य सचिव, कौशल एवं उद्यमिता, रोजगार विभाग
- कुलदीप रांका अतिरिक्त मुख्य सचिव, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग
- आनन्द कुमार अतिरिक्त मुख्य सचिव, वन, पर्यावरण एवं जयवायु परिवर्तन विभाग
- भास्कर आत्माराम सावंत अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह, गृह रक्षा, जेल एवं राजस्थान राज्य अन्वेषण ब्यूरो एवं पदेन मुख्य सतर्कता आयुक्त एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग
- कुंजी लाल मोणा

अतिरिक्त मुख्य सचिव, जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग 

- अजिताभ शर्मा प्रमुख शासन सचिव, उर्जा विभाग
- आलोक गुप्ता प्रमुख शासन सचिव, उद्योग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम एवं राजकीय उपक्रम एवं दिल्ली–मुंबई औद्योगिक कोरिडोर एवं विशेषाधिकारी, भिवाडी इन्टीग्रेटेड विकास प्राधिकरण एवं प्रमुख शासन सचिव, विनियोजन एवं अप्रवासी भारतीय एवं निवेश संवर्धन ब्यूरो
- राजेश कुमार यादव प्रमुख शासन सचिव, पर्यटन विभाग, कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग एवं महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र
- वैभव गालरिया प्रमुख शासन सचिव, वित्त, आबकारी एवं कराधान विभाग
- सुबीर कुमार प्रमुख शासन सचिव, आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा पद्धति विभाग
- भवानी सिंह देथा प्रमुख शासन सचिव, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता माली विभाग
- देवाशीष पटेल प्रमुख शासन सचिव, नगरीय विकास एवं आवासन विभाग

 (शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## पहलगाम आतंकियों को शरण देने वाले दो गिरफ्तार

श्रीनगर, 22 जून। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू-कश्मीर में अप्रैल में पर्यटकों पर पहलगाम में हुए आतंकी हमले में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए आतंकवादियों को शरण देने के आरोपी दो लोगों को गिरफ्तार किया है। ज्ञातव्य है कि इस हमले में 26 पर्यटक मारे गए थे और 16 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

एनआईए ने रविवार को कहा कि पहलगाम के बटकोट

- एनआईए ने कहा कि दोनों प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े पाकिस्तानी नागरिक हैं।

निवासी परवेज अहमद जोधर और पहलगाम के हिल पार्क निवासी बशीर अहमद जोधर ने हमले में शामिल तीन सशस्त्र आतंकवादियों की पहचान का खुलासा किया है और यह भी पुष्टि की है कि वे प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े पाकिस्तानी नागरिक थे।

एनआईए के अनुसार परवेज और बशीर ने हमले से पहले हिल पार्क में एक मौसमी झोपड़ी में तीन सशस्त्र आतंकवादियों को शरण दी थी। एनआईए ने कहा, दोनों व्यक्तियों ने आतंकवादियों को भोजन, आश्रय और रसद सहायता प्रदान की थी।

एनआईए ने दोनों को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया है। एनआईए ने कहा कि मामले में आगे की जांच जारी है।

## ईरान पर हमले में अमेरिका के 1 2 5 लड़ाकू विमान शामिल थे

## अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा कि ‘‘ऑपरेशन मिडनाइट हैमर’’ ने दिखा दिया कि अमेरिका की धमकी असली होती है

- अमेरिका के बी-2 स्टैल्थ बमवर्षक विमान मिज़ॉरी से उड़ कर आये थे। हर बमवर्षक ने 30,000 पाउंड वजन के खास बम गिराये।
- अमेरिका ने कहा कि ईरान को 60 दिन शांति व बातचीत का समय देते हैं। इसके बाद ईरान का परमाणु कार्यक्रम नहीं बचेगा।

नागरिकों को नुकसान न पहुंचे।

125 से ज्यादा अमेरिकी विमान शामिल- इनमें बमवर्षक, फाइटर जेट, टैंकर (तेल भरने वाले विमान), और जासूसी विमान शामिल थे। इसमें बी-2 स्ट्रील्थ बमवर्षक विमानों का इस्तेमाल हुआ, जो मिसौरी से उड़कर आए थे। हर बमवर्षक ने 30,000 पाउंड वजन के खास बम गिराए, बंकर-बस्टर बमके तौर पर जाने जाते हैं। ये बम जमीन के भीतर छिपे ठिकानों को नष्ट करने में सक्षम हैं। ये हमला रात 6:40 बजे

(पूर्वी समयानुसार) शुरू हुआ और सात बजे तक सभी विमान ईरानी हवाई क्षेत्र से निकल चुके थे। इस मिशन को 9/11 के बाद बी-2 बमवर्षकों की सबसे लंबी उड़ान बताया गया है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा, पिछली रात, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के तीन परमाणु प्रतिष्ठानों, फोर्दो, नतांज और इस्फहान पर मध्य रात्रि में सटीक हमला किया, ताकि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट या गंभीर रूप

से कम किया जा सके। यह एक अविश्वसनीय और जबरदस्त सफलता थी। हमारे कमांडर इन चीफ से हमें जो आदेश मिला वह केंद्रित और शक्तिशाली था, और यह स्पष्ट था कि हमने ईरानी परमाणु कार्यक्रम को तबाह कर दिया था। यह ध्यान देने योग्य है कि ऑपरेशन ने ईरानी सैनिकों या ईरानी लोगों को निशाना नहीं बनाया।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यह ऑपरेशन राष्ट्रपति ट्रंप की योजना थी - साहसी और

## क्या ट्रंप की बमबारी ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को नष्ट करने में सफल हुई?

## संभवतया नहीं, क्योंकि ईरान की न्यूक्लियर सुविधाएँ एक जगह ही केन्द्रित नहीं हैं, ईरान के कई हिस्सों में फैली हुई हैं

- इसके अलावा ईरान का साइन्टिफिक व टैक्नोलाजिकल वर्कफोर्स सुरक्षित है। अतः अगर न्यूक्लियर सुविधाओं को भारी हानि भी पहुंची होगी, तब भी टैक्नॉलजी व वर्कफोर्स उपलब्ध होने की वजह से ‘‘यूरेनियम को एनरिच’’ करने की प्रक्रिया पुनः शुरू करना ज्यादा मुश्किल नहीं है।
- वैसे भी इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी ने इस बात की जरा भी पुष्टि नहीं की है कि ‘‘यूरेनियम एनरिचमेंट प्रक्रिया’’ पूर्णतया थम गई है या ‘‘एनरिचमेंट प्रक्रिया’’ के लिए जरूरी सैन्ट्रीफ्यूज उपकरण इतने क्षतिग्रस्त हो गए हैं कि उनकी मरम्मत नहीं हो सकती।
- अमेरिका द्वारा न्यूक्लियर सुविधाओं पर की गई भारी बमबारी से एक बात तो सुनिश्चित सी लगती है कि ईरान अब ‘‘यूरेनियम एनरिचमेंट’’ प्रोग्राम को और तेज करेगा, जिससे पश्चिमी देशों पर और दबाव बने और वो अपनी सार्वभौमिकता (सोवस्ती) को और जोरों से स्थापित कर सके।

इन हमलों ने ज्यादा से ज्यादा ईरान के परमाणु कार्यक्रम को केवल अस्थायी रूप से रोक दिया है या धीमा कर दिया है, लेकिन ये हमले परमाणु कार्यक्रम पर स्थाई रोक नहीं लगा पाए हैं।

जहाँ, ट्रंप के समर्थक इस बमबारी को परमाणु खतरे को रोकने का एक साहसिक कदम कह सकते हैं, वहीं, उनके फैसले ने निस्संदेह देश के भीतर मौजूद प्रबल युद्ध विरोधी भावना को दरकिनार कर दिया है। यह निर्णय एक रणनीतिक चतुराई साबित होगा या राजनीतिक भूल, यह न केवल इस बात पर निर्भर करेगा कि ईरान कैसे प्रतिक्रिया देता है, बल्कि इस पर भी कि आने वाले

महीनों में अमेरिकी जनता, सैन्य, आर्थिक और नैतिक असर को किस प्रकार ग्रहण करती है। माना जा रहा है कि अमेरिका एक बहुआयामी रणनीति अपना सकता है। कूटनीतिक रूप से वाशिंगटन, ईरान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर और अधिक अलग-थलग करने का प्रयास करेगा, अपने सहयोगियों और यहां तक कि यूरोप और खाड़ी देशों जैसे अनिच्छुक भागीदारों पर भी सख्त रूख अपनाने का दबाव बनाकर। इसके साथ ही, ईरान के मिसाइल विकास, रक्षा क्षेत्र, और तेल निर्यात को कमजोर करने के लिए नए प्रतिबंध लागू किए जा सकते हैं, खासकर (शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## ‘तुमने इसे शुरू किया, हम समाप्त करेंगे’

## ईरान ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी, खामेनेई की सुरक्षा और कड़ी की

- अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि ईरान कई रास्तों से जवाबी कार्यवाही कर सकता है। इसमें होरमुज़ खाड़ी को बंद करना शामिल है।

कार्रवाई करने और मुंह तोड़ जवाब देने का पूरा वैध अधिकार है। उन्होंने

अमेरिका पर आरोप लगाया कि उसने संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतरराष्ट्रीय कानून और परमाणु अप्रभार संधि (एनपीटी) का खुला उल्लंघन किया है। उन्होंने आगे कहा कि आज सुबह जो कुछ हुआ, वह न सिर्फ निंदनीय है, बल्कि इसके दूरगामी और खतरनाक परिणाम होंगे। संयुक्त राष्ट्र के प्रत्येक सदस्य देश को

इनका विरोध करना चाहिए।

अमेरिका के हमले के ईरान की रिक्ल्यूशनरी गार्ड्स ने अपने आधिकारिक चैनल पर लिखा,‘अब हमारे लिए युद्ध शुरू हो चुका है उन्हें जहां देखो, तबाह कर दो।’

इन हमलों के बाद ईरान ने अपने सर्वोच्च नेता अयातुल्ली अली खामेनेई की सुरक्षा कड़ी कर दी है और इस तरह की रिपोर्ट है कि वह इस समय किसी

अज्ञात बंकर में हैं और उनकी सभी इलेक्ट्रॉनिक संचार सेवा लाइनों को बंद कर दिया गया है। यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि उनका पता नहीं लगाया जा सके और किसी संभावित हमले से बचाया जा सके। सऊदी अरब की परमाणु और रेडियोलॉजिकल नियामक आयोग ने कहा है कि अमेरिका की ओर से ईरान के परमाणु ठिकानों पर किए गए हमले के बाद खाड़ी क्षेत्र में कोई रेडियोएक्टिव असर नहीं पाया गया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इन हमलों से यहां और अरब खाड़ी देशों के पर्यावरण को कोई रेडियोधर्मी प्रभाव नहीं पड़ा है।

## ईरान के राष्ट्रपति ने मोदी से फोन पर बात की

नई दिल्ली, 22 जून। अमेरिका ने रविवार की सुबह ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर हमला कर दिया। इस हमले के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बात की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इस बारे में जानकारी दी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, ‘‘हमने मौजूदा स्थिति के बारे में विस्तार से चर्चा की। हाल ही में हुई तनावनी पर गहरी चिंता व्यक्त की। आगे बढ़ ने के लिए तत्काल तनाव कम करने, बातचीत और कूटनीति के लिए अपना आन्धान दोहराया और क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता को जल्द बहाली की बात कही।’’

- करीब 45 मिनट के फोन कॉल में उन्होंने मोदी को अमेरिकी हमले तथा मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी।

सूत्रों के अनुसार, ईरानी परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले के मद्देनजर ईरानी राष्ट्रपति पेजेशकियन ने यह कॉल की। राष्ट्रपति पेजेशकियनने प्रधानमंत्री मोदी को मौजूदा स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यह कॉल 45 मिनट तक चली। राष्ट्रपति ने भारत को क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने वाला मित्र और साझेदार बताया तथा तनाव कम करने, वार्ता और कूटनीति के लिए भारत के रुख और आ न के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया। क्षेत्रीय शांति और स्थिरता की बहाली में भारत की आवाज और भूमिका महत्वपूर्ण थी।